INDEX

Teaching Subject

S.No.	Topic	Date	Page	Remaks
	सूक्ष्म पाठ-योजना			
1	प्रश्न कौशल	17/11/2014	1 – 2	
2.	पाठ-प्रस्तावना कौशल	18/11/2014	3 – 5	
3.	पुनर्बलन कौशल	19/11/2014	5 – 8	
4.	उद्दीपक कौशल	20/11/2014	9 – 10	
5.	उदाहरण कौशल	21/11/2014	11 – 12	
	mega Lesson.			
1.	विस्तृत पाठ-योजना सर्वनाम	24/11/2014	13 - 19	
2.	विस्तृत पाठ-योजना लिंग	25/11/2014	20 - 25	
3.	विस्तृत पाठ-योजना विराम चिह्न	26/11/2014	26 - 33	
4.	विस्तृत पाठ-योजना झांसी की रानी	27/11/2014	34 - 40	
5.	विस्तृत पाठ-योजना समास और उसके भेद	28/11/2014	41 - 46	

9/1/15

INDEX

Teaching Subject

S.No.	Topic	Date	Page	Remarks
	दैनिक पाठ-योजना			
1.	पर्यावरण-प्रदूषण (निबंध)	1/12/2014	47-54	
2.	संज्ञा और उसके भेद	3/12/2014	55-61	
3.	मैं सबसे छोटी होऊँ (कविता)	5/12/2014	62-69	
4.	चाँद से थोड़ी सी गप्पें (कविता)	8/12/2014	70-77	
5.	वन के मार्ग में (कविता)	9/12/2014	78-85	
6.	पद बंध	12/12/2014	93-98	
7.	विद्यार्थी और अनुशासन (निबंध)	15/12/2014	99-103	
8.	काल और उसके भेद	16/12/2014	104-108	
9.	भाषा और व्याकरण	17/12/2014	109-113	
10.	अव्यय	18/12/2014	114-118	
11.	धातु और उसके भेद	19/12/2014	119-123	
12.	क्रिया	20/12/2014	124-129	
13.	पत्र	22/12/2014	130-135	
14.	शब्द-विचार	23/12/2014	136-142	
15.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	24/12/2014	143-149	
16.	पद	2/01/2015	150-155	
17.	वचन व उसके भेद	6/5/2015	163-168	
18.	दीपावली	7/5/2015	169-175	
19.	अलंकार	8/5/2015	176-181	
20.	दहेज प्रथा: एक अभिशाप (निबंध)	9/5/2015	182-188	
	विचार-विमर्श पाठयोजना			
1	विशेषण	10/12/2014	86-92	
2.	वाक्य के भेद	3/01/2014	156-162	

कुल 20 (बीस) | कुल 12 (बारह) | कुल दो

Checked

9/1

Micro Lesson

सूक्ष्म पाठ - योजना - 1

छात्रा अध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - राष्ट्रीय पर्व
कौशल - प्रश्न कौशल

दिनांक - 18.11.2014
कक्षा - सातवीं
कालांश - सातवां
समय - 6 मिनट

	छात्रा अध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएँ
प्र०:-1	हमारे देश में कितने प्रकार के त्यौहार मनाए जाते हैं?	उ०- दो प्रकार के।
प्र०:-2	दो प्रकार के त्यौहार कौन - कौन से हैं?	उ०- धार्मिक, राष्ट्रीय।
प्र०:-3	धार्मिक त्यौहार मे कौन - कौन से त्यौहार आते हैं?	उ०- होली, दीपावली दशहरा आदि।
प्र०:-4	राष्ट्रीय त्यौहार कौन - कौन से हैं?	उ०- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस।
प्र०:-5	स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाया जाता है?	उ०- आजादी की खुशी में।
प्र०:-6	यह कब मनाया जाता है?	उ०- 15 अगस्त को।
प्र०:-7	स्वतंत्रता दिवस पर हमारे देश में झण्डा कौन फहराता है?	उ०- प्रधानमंत्री।

प्र०:-8	गणतंत्र दिवस कब मनाया जाता है?	उ०- 26 जनवरी को।
प्र०:-9	गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है?	उ०- संविधान लागू होने की खुशी में।
प्र०:-10	संविधान कितने दिन में बनकर तैयार हुआ?	उ०- 2 वर्ष, 11 महिने, 18 दिन
प्र०:-11	संविधान का निर्माण किसने किया?	उ०- डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर ने

निरीक्षण सूची

व्यवहारिक घटक	रेटिंग						
प्रश्न निर्माण							
(1) प्रासंगिकता	0	1	2	3	4	5	6
(2) संक्षिप्तता	0	1	2	3	4	5	6
(3) स्पष्टता	0	1	2	3	4	5	6
(4) विशिष्टता	0	1	2	3	4	5	6
(5) व्याकरणीक शुद्धता	0	1	2	3	4	5	6
प्रश्नों का प्रस्तुतीकरण							
(1) आवाज	0	1	2	3	4	5	6
(2) गति एवं विराम	0	1	2	3	4	5	6
(3) प्रश्नों का वितरण	0	1	2	3	4	5	6
(क) पूरी कक्षा को	0	1	2	3	4	5	
(ख) उत्तर के लिए इच्छुक छात्रों को							
(ग) उत्तर के लिए अनिच्छुक छात्रों को							

17/11/14

निरीक्षण कर्ता के हस्ताक्षर —

सूक्ष्म पाठ - योजना - 2

छात्रा अध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - दीपावली (निबन्ध)
कौशल - पाठ-प्रस्तावना कौशल

दिनांक - 18.11.2014
कक्षा - छठी
कालांश - दूसरा
समय - 6 मिनट

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) आप कौन-कौन से त्यौहार मनाते हैं।	1) होली, दीपावली, दशहरा आदि।
2) होली किस महीने मे आती है।	2) मार्च मे।
3) होली के बाद कौन-सा त्यौहार आता है।	3) तीज।
4) लोग घरो को कब सजाते है।	4) शादी मे, दीपावली पर।
5) दीपावली किस महीने मे आती है।	5) अक्टूबर, नवम्बर मे।
6) आतिशबाजी किस त्यौहार पर की जाती है।	6) दीपावली पर।
7) दीपावली पर किसकी पूजा की जाती है।	7) लक्ष्मी, गणेश की।
8) दीपावली क्यों मनाई जाती है।	8) समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन : इस दिन रामचन्द्र जी चौदह वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में दीपावली मनाई जाती है। अच्छा बच्चों आज हम 'दीपावली' के बारे में पढेंगें।

-:- निरीक्षण सूची -:-

व्यावहारिक घटक	रेटिंग
वांछित व्यवहार	
1) पूर्वज्ञान का उपयोग	0 1 2 3 4 5 6
2) उचित विधियों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
3) उचित सहायक सामग्री का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
अवांछित व्यवहार	
1) उचित क्रमबद्धता की कमी	0 1 2 3 4 5 6
2) प्रस्तावना की लंबी अवधि	0 1 2 3 4 5 6

निरीक्षण कर्त्ता के हस्ताक्षर —

मूल्यॉंकन सूची

व्यवहारिक घटक	रेटिंग
वांछित व्यवहार	
1) पूर्व ज्ञान का उपयोग	0 1 2 3 4 5 (6)
2) उचित विधियों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 (6)
3) उचित सहायक सामग्री का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6
अवांछित व्यवहार	
1) उचित क्रमबद्धता की कमी	(0) 1 2 3 4 5 6
2) प्रस्तावना की लंबी अवधि	0 (1) 2 3 4 5 6

मूल्यॉंकन कर्ता के हस्ताक्षर -

18/11/14

∴ सूक्ष्म पाठ - योजना - ३ ∴

छात्रा अध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - संज्ञा
कौशल - पुनर्बलन कौशल

दिनांक - 19/11
कक्षा - सात
कलांश - सात
समय - 6 मि

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) आपका क्या नाम है।	1) मोहन
2) आप कहाँ से आते हो।	2) खण्डेवला से
3) अगर तुम्हे कोई वस्तु बहुत पसंद है और वो आपको मिल जाए तो आप कैसा महसूस करेंगे। (ठीक है।)	3) बहुत खुश हो जाएंगे।
4) मोहन, गाय, मेज, दिल्ली आदि को क्या कहते है। (शाबाश!)	4) संज्ञा।
5) अच्छा अब ये बताओ संज्ञा के कितने भेद होते हैं। (बिल्कुल ठीक)	5) तीन।
6) अच्छा संज्ञा के तीनों भेदों के नाम बताइए। (बहुत अच्छा! श्यामपट्ट पर लिखते हुए)	6) व्यक्ति वाचक, भाववाचक जाति वाचक।
7) जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं। (ठीक है।) जिस संज्ञा से किसी जाति के सभी प्राणियो, वस्तुओं का पता चले।	7) जिससे जाति का पता चले।

8) जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण दो। (बिल्कुल ठीक)	8) शेर, कुत्ता, हाथी आदि।
9) अच्छा ये बताओ कि भाव वाचक संज्ञा किसे कहते हैं। (शाबाश!)	9) जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु के भाव का बोध हो।
10) अब भाव वाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ। (बहुत अच्छा!) भाव वाचक संज्ञा मे जैसे दुख है, तो यह भाव व्यक्त करता है। दुखी होना।	10) दुख, खुशी।

निरीक्षण सूची

व्यवहार घटक	रेटिंग						
1) सकारात्मक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
2) विद्यार्थी के सुझावों का समर्थन	0	1	2	3	4	5	6
3) विद्यार्थी का उत्साह वर्धन	0	1	2	3	4	5	6
4) हाव-भाव व अन्य शाब्दिक संकेतों का प्रयोग।	0	1	2	3	4	5	6
5) विद्यार्थी के सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखना।	0	1	2	3	4	5	6
6) नकारात्मक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
7) नकारात्मक अशाब्दिक प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
8) पुनर्बलन का सही प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
9) सभी के लिए पुनर्बलन का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6

निरीक्षण कर्ता के हस्ताक्षर —

8) जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण दो। (बिल्कुल ठीक)	8) शेर, कुत्ता, हाथी आदि।
9) अच्छा ये बताओ कि भाव वाचक संज्ञा किसे कहते हैं। (शाबाश!)	9) जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु के भाव का बोध हो।
10) अब भाव वाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ। (बहुत अच्छा!) भाव वाचक संज्ञा मे जैसे दुख है, तो यह भाव व्यक्त करता है। दुखी होना।	10) दुख, खुशी।

निरीक्षण सूची

व्यवहार घटक	रेटिंग						
1) सकारात्मक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
2) विद्यार्थी के सुझावों का समर्थन	0	1	2	3	4	5	6
3) विद्यार्थी का उत्साह वर्धन	0	1	2	3	4	5	6
4) हाव-भाव व अन्य शाब्दिक संकेतों का प्रयोग।	0	1	2	3	4	5	6
5) विद्यार्थी के सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखना।	0	1	2	3	4	5	6
6) नकारात्मक कथनों का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
7) नकारात्मक अशाब्दिक प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
8) पुनर्बलन का सही प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6
9) सभी के लिए पुनर्बलन का प्रयोग	0	1	2	3	4	5	6

निरीक्षणकर्ता के हस्ताक्षर —

.... मूल्याँकन सूची ....

व्यवहार घटक	रेटिंग						
1) सकारात्मक कथनों का प्रयोग।	0	1	2	3	4	5	(6)
2) विद्यार्थियों के सुझावों का समर्थन।	0	1	2	3	4	(5)	6
3) विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन।	0	1	2	3	4	5	(6)
4) हाव-भाव व अन्य अशाब्दिक संकेतों का प्रयोग।	0	1	2	3	4	(5)	6
5) विद्यार्थियों के सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखना।	0	1	2	3	4	5	(6)
6) नकारात्मक कथनों का प्रयोग।	(0)	1	2	3	4	5	6
7) नकारात्मक अशाब्दिक कथनों का प्रयोग।	0	(1)	2	3	4	5	6
8) पुनर्बलन का सही प्रयोग।	0	(1)	2	3	4	5	
9) सभी के लिए पुनर्बलन का प्रयोग।	(0)	1	2	3	4	5	
10) पुनर्बलन में प्रयुक्त कथनों में नवीनता।	0	(1)	2	3	4	5	

मूल्याँकन कर्ता के हस्ताक्षर

सूक्ष्म पाठ-योजना

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - संज्ञा
कौशल - उद्दीपक परिवर्तन कौशल

दिनांक - 20.11.2014
कक्षा - छटी
कालांश - सातवां
समय - 6 मिनट

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान के नाम को संज्ञा कहते है। जैसे - कुत्ता, कुर्सी, मुम्बई आदि। (कक्षा में घूमते हुए) संज्ञा मुख्यतः तीन प्रकार की होती है। (1) व्यक्ति वाचक संज्ञा (2) भाव वाचक संज्ञा (3) जातिवाद वाचक संज्ञा।	बच्चे ध्यानपूर्वक सुनते है।
(आवाज में परिवर्तन) जिस शब्द से किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति का बोध हो उसे क्या कहते है?	व्यक्ति वाचक संज्ञा।
(अंतः क्रिया शैली मे परिवर्तन) जैसे :→ राम सुन्दर लडका है। जिस शब्द से किसी जाति विशेष का बोध हो, उसे जातिवाद वाचक संज्ञा कहते है। जैसे :→ लकड़ी फल आदि। वे शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु की दशा या भाव का बोध कराए, उसे भाववाचक संज्ञा कहते है। जैसे :→ दुख, सुखी, बचपन, बुढ़ापा। (केन्द्रण)	बच्चे ध्यानपूर्वक सुन रहे है।

निरीक्षण सूची

व्यवहार घटक	रेटिंग
1) सचलन ।	0 1 2 3 4 5 6
2) हाव - भाव ।	0 1 2 3 4 5 6
3) वाक - संरूप परिवर्तन ।	0 1 2 3 4 5 6
4) केन्द्रण ।	0 1 2 3 4 5 6
5) अंत क्रिया शैली परिवर्तन ।	0 1 2 3 4 5 6
6) मौखिक दृश्य मे बदलाव ।	0 1 2 3 4 5 6
7) मौन - विराम ।	0 1 2 3 4 5 6
8) विद्यार्थियों का क्रियात्मक सहयोग ।	0 1 2 3 4 5 6

निरीक्षण कर्ता के हस्ताक्षर -

मूल्यांकन सूची

व्यवहार घटक	रेटिंग
1) सचलन ।	0 1 2 3 4 5 (6)
2) हाव - भाव ।	0 1 2 3 4 (5) 6
3) वाक संरूप परिवर्तन ।	0 1 2 3 4 5 (6)
4) केन्द्रण ।	0 1 2 3 4 (5) 6
5) अंत क्रिया शैली परिवर्तन ।	0 1 2 3 4 5 (6)
6) मौखिक दृश्य बदलाव ।	0 1 2 3 4 (5) 6
7) मौन विराम ।	0 1 2 3 4 5 (6)
8) विद्यार्थियों का क्रियात्मक सहयोग ।	0 1 2 3 4 (5) 6

मूल्यांकन कर्ता के हस्ताक्षर -

2014

सूक्ष्म पाठ -योजना-5

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - विशेषण
कौशल - उदाहरण कौशल

दिनांक - 21.11.2014
कक्षा - सातवी
कालांश - सातवाँ
समय - 6 मिनट

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताए, इसे विशेषण कहते हैं। जैसे → यह फूल सुन्दर है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।
2) विशेषण के चार भेद होते हैं। :→ ① गुणवाचक विशेषण ② संख्यावाचक विशेषण ③ परिमाप वाचक विशेषण ④ संकेतवाचक विशेषण	अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखते हैं।
3) गुणवाचक विशेषण :→ जो शब्द संज्ञा व सर्वनाम शब्दों की गुण-दोष बताए। जैसे :→ यह गाय सफेद है।	गुणवाचक विशेषण के उदाहरण बताओ।
4) संख्यावाचक विशेषण :→ जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की संख्या बताए जैसे :→ वे सात घोड़े हैं	संख्या वाचक विशेषण के उदाहरण बताइए।
5) परिमाप वाचक विशेषण :→ जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के परिमाप बताएँ। जैसे:→ यह दो किलो दूध है, ये आलू पांच किलो हैं।	
6) संकेत वाचक विशेषण:→ जो शब्द संज्ञा शब्द से पहले लगकर उसकी विशेषता प्रकट करें। जैसे → यह पुस्तक राम की है।	संकेत वाचक विशेषण के उदाहरण बताइए।

निरीक्षण सूची

व्यवहार घटक	रेटिंग
1) साधारण उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 6
2) सार्थक उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 6
3) सूचीकर उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 6
4) उदाहरण प्रस्तुतीकरण के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 6
5) विभिन्न प्रणाली का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 6
6) आगमन और निगमन विधि।	0 1 2 3 4 5 6

निरीक्षण कर्ता के हस्ताक्षर —

मूल्यांकन सूची

व्यवहार घटक	मूल्यांकन
1) साधारण उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 (6)
2) सार्थक उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 (5) 6
3) सूचीकर उदाहरणों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 (6)
4) उदाहरण प्रस्तुतीकरण के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग।	0 1 2 3 4 (5) 6
5) विभिन्न प्रणाली का प्रयोग।	0 1 2 3 4 5 (6)
6) आगमन और निगमन विधि।	0 1 2 3 4 (5) 6

मूल्यांकन कर्ता के हस्ताक्षर

Mega Lesson

दैनिक पाठ-योजना :-1

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927 | कक्षा - छठीं

विषय - हिन्दी (व्याकरण) | समय - 30 मिनट

उपविषय - सर्वनाम | कालांश - सातवाँ

दिनांक - 24.11.2014

विषय- वस्तु विश्लेषण :→

* सर्वनाम से अभिप्राय ।
* सर्वनाम के भेद ।
* सर्वनाम के उदाहरण ।

सामान्य उद्देश्य :→

(i) छात्रों की मानसिक एवं रचनात्मक योग्यताओं का विकास करना ।

(ii) छात्रों की हिन्दी विषय मे रूचि उत्पन्न करना ।

(iii) छात्रों को उनके वातावरण में समायोजन करने योग्य बनाना ।

(iv) छात्रो मे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास करना ।

(v) छात्रों मे परस्पर सहयोग की भावना विकसित करना ।

(vi) छात्रों मे अच्छी आदतें और सही दृष्टि को विकसित करना ।

विशिष्ट उद्देश्य :→

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें ।

(ii) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों का प्रत्यास
कर सकेंगे।

(2) अवबोधात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दो की
व्याख्या कर सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों के उदाहरण
सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों से संबंधि
विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन
प्रयोग कर सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों से प्राप्त ज्ञ
को उच्च शिक्षा के लिए प्रयोग कर
सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों की सूची
बना सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों के विषय प
चार्ट बना सकेंगे।

सहायक सामग्री :→ चॉक, झाड़न, लपेट फल
संकेतक,

पूर्वज्ञान :→ विद्यार्थी सर्वनाम के विषय में पूर्व ज्ञान

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) राम सेब खाता है। गौरव मेरा बड़ा भाई है उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या कहलाते हैं?	1) संज्ञा ।
2) संज्ञा किसे कहते हैं?	2) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते है।
3) वह पढ़ रहा है। उसे भूख लगी है। उपर्युक्त वाक्यों मे रेखांकित शब्द किसके स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं।	3) संज्ञा के स्थान पर।
4) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को क्या कहते हैं।	4) समस्यात्मक ।

उद्देश्य कथन :→ अच्छा बच्चों ! आज हम 'सर्वनाम' के विषय में विस्तृत रूप से अध्ययन करेगें।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
सर्वनाम से अभिप्राय	छात्राध्यापिका कथन :→ सर्वनाम वे शब्द हैं जो वाक्य में संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं अर्थात वाक्यों में संज्ञा की पुनरावृत्ति से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वे सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे :⇒ मैं, हम, तुम, वह, वे आदि।	छात्र ध्यान-सुनकर सर्वनाम की परिभाषा अपनी-2 उत्तरपुस्तिका में लिख रहे हैं।	सर्वनाम से अभिप्राय जैसे :⇒ मैं तुम, वह, वे आदि
सर्वनाम के भेद :-	छात्राध्यापिका कथन :→ सर्वनाम के छः भेद होते हैं। 1) पुरुषवाचक सर्वनाम। 2) निश्चयवाचक सर्वनाम। 3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम। 4) प्रश्न वाचक सर्वनाम। 5) संबंध वाचक सर्वनाम। 6) निजवाचक सर्वनाम।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखते हैं।	सर्वनाम के भेद :-
संबंध वाचक सर्वनाम	छात्राध्यापिका कथन :→ जो सर्वनाम वाक्य के दूसरे		संबंध वाचक सर्वनाम

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	भाग मे आए, और किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध बताते है। उन्हें संबंध-वाचक सर्वनाम कहते है। जैसे :→ (i) जो डरा, सो मरा। (ii) जिसकी लाठी, उसकी भैंस।		जैसे :→ जो डरा, सो म... उसकी भैंस
पुरूष वाचक सर्वनाम	जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग वक्ता अपने लिए, श्रोता के लिए या अन्य व्यक्ति के लिए करता है, उसे पुरूषवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे :→ मैं, वह, तुम आदि।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनते है और अपनी उत्तरपुस्तिका मे लिखते है।	पुरूषवाच... सर्वनाम उदाहरण: मैं, तुम, वह, वे आ...
निश्चय वाचक सर्वनाम	जिन सर्वनाम शब्दो से किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना आदि का निश्चित बोध हो, उसे निश्चय वाचक सर्वनाम कहते है। निश्चयवाचक सर्वनाम से दूर या समीप के पदार्थो या व्यक्तियो का निश्चित बोध होता है। जैसे :→ यह तुम्हारा घर है, वह जा रहा है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	निश्चयवाचक सर्वनाम निश्चय वाचक स... नाम। उदाहरण: यह तुम्ह... घर है। जैसे → यह तुम्हारा घर है
उदाहरण:			

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट का
अनिश्चय वाचक सर्वनाम	जो सर्वनाम किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं करवाते, उसे अनिश्चय-वाचक सर्वनाम कहते है। जैसे ⇒ वहा कोई खड़ा है, किसी का बैग गिर गया।		अनिश्चयवाचक सर्वनाम। उदाहरण:⇒ वहा कोई खड़ा किसी का बैग गिर गया।
प्रश्न वाचक सर्वनाम	जिन सर्वनामों से किसी सज्ञा के विषय मे प्रश्न का बोध हो, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे ⇒ भारत का प्रधानमन्त्री कौन है, आपको किससे मिलना है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनते है	प्रश्नवाचक सर्वनाम उदाहरण:⇒ भारत का प्रधानमंत्री कौन है?
निजवाचक सर्वनाम उदाहरण:	जो सर्वनाम वाक्य मे कर्ता के साथ अपनापन बतलाने के लिए आते है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते है। जैसे ⇒ (i) तुम स्वयं यह कार्य करो। (ii) मैं यह चित्र आप बना लूंगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर परिभाषा एवं उदाहरण अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखते है।	निजवाचक सर्वनाम। उदाहरण:⇒ तुम स्वयं यह कार्य करो। मैं यह चित्र बना लूंगा

मूल्यांकन :→

(i) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?
(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण बताओ।
(iii) पुरूषवाचक सर्वनाम से क्या समझते हैं।

गृहकार्य :→

1) सर्वनाम किसे कहते हैं?
2) निम्नलिखित वाक्यों मे सर्वनाम शब्दों को रेखांकित किजिए।
(i) वे अपनी गाडी में आए थे।
(ii) मैं निर्धन थी।
(iii) तुम स्वयं यह कार्य करो।
3) निश्चयवाचक सर्वनाम तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अन्तर स्पष्ट करो।

संदर्भ पुस्तिका :⇒ हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित की गई कक्षा – 6 की पाठ्य - पुस्तक पर आधारित है।

24/11/14

(2) अवबोधात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी लिंग की व्याख्या कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी लिंग के उदाहरण दे सकेंगें।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी से लिंग से संबंधित विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी लिंग से प्राप्त ज्ञान को उच्च शिक्षा के लिए प्रयोग कर सकेंगें।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी लिंग के विषय में सूची बना सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी लिंग के विषय पर चार्ट बना सकेगें।

सहायक सामग्री :→ चॉक, डाइन, लपेट फलक, संकेतक तथा चार्ट।

पूर्वज्ञान :⇒ विद्यार्थी लिंग के विषय मे पूर्व ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) हम अपने विचारों को किसके माध्यम से व्यक्त करते हैं?	1) बोलकर या लिखकर
2) जब हम बोलकर अपने विचार प्रकट करते हैं तो वह क्या कहलाता है?	2) मौखिक।
3) हम शुद्ध लिखना, पढ़ना व बोलना कैसे सिखते हैं।	3) व्याकरण के द्वारा।
4) व्याकरण मे और क्या-क्या आता है?	4) संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, विशेषण, क्रिया आदि।
5) लिंग से आप क्या समझते हैं?	5) समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :⇒ अच्छा बच्चों! आज हम 'लिंग' के विषय मे विस्तृत रूप से अध्ययन करेंगें।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
लिंग का अर्थ	संज्ञा के जिस रूप में पुरूष या स्त्री जाति बोध होता है उसे लिंग कहते हैं। लिंग शब्द का अर्थ चिह्न होता है।	छात्र लिंग के अर्थ को सुन रहे है।	लिंग का अर्थ :→
लिंग के भेद	लिंग के दो भेद होते हैं:→ 1) पुल्लिंग । 2) स्त्रीलिंग ।		लिंग के भेद:→ 1.) पुल्लिंग 2.) स्त्रीलिंग
पुल्लिंग की परिभाषा उदाहरण :-	जिस शब्द से किसी प्राणी, वस्तु या भाव के पुरूष जाति होने का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे बालक, शेर, कबूतर मोर आदि	छात्र पुल्लिंग के अर्थ को उदाहरण द्वारा समझ कर लिख रहे है।	पुल्लिंग:→ उदाहरण:- बालक, शेर कबूतर, मोर आदि

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
स्त्रीलिंग की परिभाषा	जिस शब्द से किसी प्राणी वस्तु या भाव के स्त्री जाति होने का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे :→	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं व अपनी उत्तर पुस्तिका में लिख रहे हैं।	स्त्रीलिंग :→ उदाहरण :- बालिका, शेरनी
उदाहरण:	बालिका, कबूतरी, शेरनी, मोरनी आदि।		
लिंग की पहचान	लिंग की पहचान प्राय: व्यवहार के आधार पर की जाती है। एक ही शब्द पर्यायवाची शब्दों के लिंग समान नहीं होते। आँख शब्द स्त्रीलिंग है पर उसके पर्याय शब्द चक्षु, नेत्र पुल्लिंग हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	लिंग की पहचान व्यवहार के आधार पर की जाती है।
पुल्लिंग की पहचान	ग्रहों के नाम, फलों के नाम, वृक्षों के नामों आदि से पुल्लिंग की पहचान होती है।	छात्र लिंग की पहचान की महत्वपूर्ण बातें सुनकर उत्तर-पुस्तिका मे लिखते हैं।	पुल्लिंग की पहचान :- ग्रहों के नाम, फलों के नाम
स्त्रीलिंग की पहचान	नदियों के नाम, भाषाओं के नाम, तिथियों के नाम आदि से स्त्रीलिंग की पहचान होती है।		स्त्रीलिंग की पहचान :- नदियों के नाम, तिथियों के नाम

मूल्यांकन

(1) लिंग के कितने भेद होते हैं?
(2) पुल्लिंग के उदाहरण बताइए।
(3) नदियों के नाम, भाषाओं के नाम आदि इनमें कौन सा लिंग है।

V. Good

Checked
29/11/14

गृहकार्य

वाक्यों में शब्दों के लिंग बदलकर लिखो :–

i) शेर ने जंगल से शिकार किया।
ii) आज सम्राट का जन्मदिन है।
iii) अध्यापक ने छात्रा को प्रश्न समझाया।
iv) लड़का अपनी बहिन के साथ खेल रहा है।

दैनिक पाठ - योजना - 3

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927 | कक्षा -
विषय - हिन्दी | कालांश -
उपविषय - विराम चिह्न | समय - 3
दिनांक - 3

विषय-वस्तु विश्लेषण :→

* विराम चिह्नों का अभिप्राय
* मुख्य विराम चिह्नों के नाम
* विराम चिह्नों का उदाहरण एवं प्रयोग
*

सामान्य उद्देश्य

(i) छात्रों की मानसिक एवं रचनात्मक योग्यताओं का विकास करना
(ii) छात्रों की हिन्दी विषय में रुचि उत्पन्न करवाना।
(iii) छात्रों को उनके वातावरण के साथ समायोजन करने योग्य बनाना
(iv) छात्रों में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास
(v) छात्रों में परस्पर सहयोग की भावना विकसित करना।
(vi) छात्रों में अच्छी आदतें और सही दृष्टि को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी विराम चिन्हों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।

(ii) विद्यार्थी विराम चिह्न का प्रत्यास्मरण कर सकेंगें।

(2) अवबोधात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी विराम चिह्नों की व्याख्या कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी विराम चिह्नों के उदाहरण दे सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी विराम चिह्नों से संबंधित विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी विराम चिह्नों से प्राप्त ज्ञान को उच्च शिक्षा के लिए प्रयोग कर सकेंगें।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी विराम-चिह्नों की सूची (तालिका) बना सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी विराम चिह्नों के विषय पर चार्ट बना सकेंगें।

सहायक सामग्री :⇒ चॉक, झाडन, लपेट फलक, संकेतक तथा चार्ट।

पूर्वज्ञान :⇒ विद्यार्थी विराम चिह्नों के बारे में (पहले से) पूर्वज्ञान रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) हम अपने विचारों को किस प्रकार व्यक्त करते हैं?	1) बोलकर या लिखकर।
2) जब हम अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं तो, उसे क्या कहते हैं।	2) मौखिक।
3) हम शुद्ध लिखना, बोलना, समझना किसके द्वारा सीखते हैं?	3) व्याकरण द्वारा।
4) वाक्य को पूरा या शुद्ध किसके द्वारा किया जाता है?	4) चिह्नों द्वारा।
5) विभिन्न प्रकार के चिह्नों के नाम बताओ।	5) समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :⇒ अच्छा बच्चों। आज हम 'विराम चि[ह्नों]' के विषय में विस्तृत रूप से अध्य[यन] करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
विराम चिह्न का अर्थ	वाक्य मे विराम चिह्नों की ओर संकेत करने वाले चिह्नो को विराम चिह्न कहते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	विराम चिह्न का अर्थ :→
मुख्य विराम चिह्न	i) पूर्ण विराम (।) ii) अल्प विराम (,) iii) प्रश्न सूचक चिह्न (?) iv) उद्धरण चिह्न (" ") v) योजक चिह्न (-) vi) निर्देशक चिह्न (—) vii) विस्मयादि बोधक (!) viii) कोष्ठक चिह्न (), [ ] ix) अपूर्ण विराम (:)	छात्र विराम चिह्नो को ध्यानपूर्वक अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिख रहे है।	पूर्ण विराम चिह्न अल्प विराम " प्रश्नसूचक " उद्धरण " योजक " निर्देशक " विस्मयादिबोधक " कोष्ठक चिह्न अपूर्ण "
पूर्णविराम चिह्न (।)	पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग वाक्य के अन्त मे एक खड़ी पाई (।) के रूप मे लगाया जाता है। जैसे :→	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन कर लिख रहे है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम...
उदाहरण :	i) एक गिलास दूध लाओ। ii) मोर नाच रहा है।		पूर्ण वि... उदाहरण... मोर ना...
अल्प विराम चिह्न (,)	अल्प विराम का प्रयोग लिखते समय एक शब्द से दूसरे शब्द को अलग करने करने के लिए या एक ही प्रकार के कई शब्दों का प्रयोग किए जाने पर हर शब्द के बाद इसका प्रयोग किया जाता है। यह चिह्न शब्द के नीचे की ओर लगाया जाता है। जैसे :–	छात्र ध्यान पूर्वक अल्प विराम को समझ रहे है और उदाहरण सहित अपनी उत्तरपुस्तिका में लिख रहे है।	अल्पवि... उदाह... 1,2,3,...
उदाहरण :	i) रोहन, राकेश, रोहित और प्रिया छठी कक्षा के छात्र है। ii) 1, 2, 3, 4, 5		
प्रश्नसूचक विराम चिह्न (?)	प्रश्नो के अंत मे पूर्ण विराम के स्थान पर प्रश्न वाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :⇒	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे है। व लिख रहे है।	प्रश्नसू... उदाह... तुम्हा... क्या...
उदाहरण :	(i) तुम कहा जा रहे हो ? (ii) तुम क्या कर रहे हो ?		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
उद्धरण विराम (" ") चिह्न उदाहरण :	किसी के कथन को ज्यों का त्यों प्रस्तुत करने पर उद्धरण-चिह्न द्वारा प्रकट किया जाता है। जैसे :⇒ "हे ईश्वर, तेरी इच्छा पूर्ण हो" कहकर स्वामी दयानन्द ने अंतिम साँस ली।	छात्र उद्धरण चिह्न को ध्यानपूर्वक सुनकर लिख रहे हैं।	उद्धरण चिह्न (" ") उदाहरण :- "आराम हराम है।"
योजक विराम चिह्न (–) उदाहरण :	एक-दूसरे से संबधित शब्दों का योग करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे :⇒ (i) रामायण - महाभारत, (ii) राम - कृष्ण।	छात्र योजक चिह्न को समझ व लिख रहे हैं।	योजक चिह्न(-) उदाहरण :- राम-कृष्ण
निर्देशक विराम चिह्न (—) उदाहरण :	हम इस चिह्न का प्रयोग निर्देश या उदाहरण देने के लिए तथा आगे किसी विशेष बात का उल्लेख किया जाता है। जैसे ⇒ (i) मिट्टी के बर्तन बनाने बनाने वाला —कुम्हार।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिख रहे हैं।	निर्देशक चिह्न(— का अर्थ :- उदाहरण :- मिट्टी के बर्तन बनाने वाला — कुम्हार

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
विस्मयादिबोधक चिह्न (!)	विस्मय, हर्ष, शोक व भय आदि भावों को प्रकट करने के लिए करते हैं। जैसे:→	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	विस्मया[illegible] चिह्न (उदाहरण वाह !
उदाहरण :	i) वाह ! कितना सुन्दर चित्र है! ii) अरे! कहाँ चल दिए!		
कोष्ठक विराम चिह्न (),[]	प्रस्तुत कथन का अर्थ स्पष्ट करने के कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है। जैसे:→	छात्र विराम चिह्नों को ध्यानपूर्वक समझकर उदाहरणों सहित अपनी उत्तरपुस्तिका में लिख रहे हैं	कोष्ठक चि[illegible] ((),[] उदाहरण : नीलकंठ (ने दानवों संहार कि[illegible]
उदाहरण :→	i) नीलकण्ठ (महादेव) ने अनेक दानवों का संहार किया। ii) सूची (तालिका) बनाओ।		
अपूर्ण चिह्न (:)	जहाँ किसी के कथन को अलग करके दिखाना हो, वहाँ अपूर्ण विराम का प्रयोग होता है।		अपूर्ण चि[illegible] महाकवि [illegible] एक परि[illegible]
उदाहरण :-	महाकवि निराला : एक परिचय।		

मूल्यांकन

1) विराम चिह्न किसे कहते हैं?
2) पूर्ण विराम का प्रयोग कहा होता है?
3) अल्प विराम का प्रयोग कहाँ होता है?
4) योजक विराम चिह्न का अर्थ बताओ।

गृहकार्य

मिलान करो :

पूर्ण विराम	(—)
प्रश्नसूचक चिह्न	(।)
योजक चिह्न	(" ")
विस्मयादिबोधक चिह्न	((),[])
अल्प विराम	(?)
निर्देशक चिह्न	(।)
उद्धरण चिह्न	(!)
अपूर्ण चिह्न	(—)
कोष्ठक चिह्न	(:)

Introduction was effective. T.A. was not used. Examples were used to explain the topic.
[signature]
27/11/14

सन्दर्भ पुस्तिका :→ यह उपविषय N.C.E.R.T द्वारा प्रकाशित कक्षा छठी की हिन्दी की पुस्तक से लिया गया है।

दैनिक पाठ-योजना - 4

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927
विषय - हिन्दी
उपविषय - झाँसी की रानी

कक्षा - ...
कालांश - सा...
समय - 30...
दिनांक - 27...

विषय-वस्तु विश्लेषण :⇒
* 'झाँसी की रानी' की व्याख्या
* गँगाधर राव की मृत्यु
* दामोदर राव को राजा मानने से ...
* 1857 का स्वतंत्रता संग्राम

सामान्य उद्देश्य :⇒

(i) छात्रों की मानसिक एवं रचनात्मक योग्यता... विकास करना।
(ii) छात्रों की हिन्दी मे रूचि उत्पन्न कर...
(iii) छात्रों को उनके वातावरण के साथ समायो... करने योग्य बनाना।
(iv) छात्रों मे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय भावना ... विकास करना।
(v) छात्रों मे परस्पर सहयोग की भावना उत... करना।
(vi) छात्रों मे अच्छी आदते और सद्दृष्टि को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी झाँसी की रानी के विषय मे जान... प्राप्त कर सकेगें।

(ii) विद्यार्थी की झाँसी की रानी का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

(2) अवबोधात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी झाँसी की रानी विषय की व्याख्या कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी झाँसी की रानी के उदाहरण दे सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी झाँसी की रानी से संबंधित विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन मे प्रयोग कर सकेगें।

(ii) विद्यार्थी झाँसी की रानी से प्राप्त ज्ञान को उच्च शिक्षा के लिए प्रयोग कर सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी झाँसी की रानी से संबंधित साधनो की सूची बना सकेगें।

(ii) विद्यार्थी झाँसी की रानी के विषय पर चार्ट बना सकेगें।

सहायक सामग्री :⇒ चॉक, झाडन, लपेट फलक, संकेतक तथा चार्ट।

पूर्वज्ञान :⇒ विद्यार्थी झाँसी की रानी के बारे मे पूर्वज्ञान रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) हमारे देश मे कौन - कौन से महापुरूषों ने जन्म लिया?	1) महात्मा गांधी, सुभ चन्द्र बोस आदि।
2) हमारे देश की महान नारियाँ कौन - कौन सी थी?	2) मदर टेरेसा, सरोजनी नायडू, इंदिरा, झाँसी की रा
3) क्या तुमने झाँसी की रानी के बारे मे सुना है?	3) हाँ।
4) झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई ने किस तरह हमारे देश को आजाद कराने मे योगदान दिया।	4) समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :⇒ अच्छा बच्चो। हम आज झाँसी की के विषय मे विस्तृत रूप से अध्ययन करेगें।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
झाँसी की रानी	झाँसी की रानी का बचपन का नाम मनु था।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	झांसी की रानी कविता
पिता का नाम	झाँसी की रानी के पिता का नाम मोरोपंत था।		बचपन का नाम :- मनु पिता का नाम :- मोरोपंत
बचपन	झाँसी की रानी को बचपन मे सब मनु कहते थे। मनु को बचपन से ही तीर चलाने, घुडसवारी करने तथा तलवार चलाने का शौक था। मनु को गुड्डे-गुडियो के खेल मे कभी रूचि नही थी। मनु को जब भी समय मिलता, वह युद्ध कौशलों को सीखने मे व्यस्त हो जाती थी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका मे समझकर लिख रहे है।	मनु को तीर चलाने, तलवार बाजी व घुड़सवारी करने का शौक था।
	झाँसी की रानी हमारे देश की महान स्त्रियों मे जानी जाती है। जैसे इन्दिरा गाँधी।	छात्रों का ध्यान सुनने मे है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ	श्यामपट्ट क
विवाह	मनु जब बड़ी हुई तो उसका विवाह झांसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ था। विवाह के समय मनु की आयु 13 वर्ष थी। विवाह के बाद यह मनु बाई से लक्ष्मीबाई बन गई। कुछ समय बाद रानी लक्ष्मीबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया। वह तीन माह का था कि उस बेचारे की मृत्यु हो गई।	छात्र 'झाँसी की रानी' कविता को समझने का प्रयास कर रहे हैं।	झांसी की रान का विवाह-राव गंगाधर के स हुआ था। विवाह के स मनु की आ 13 वर्ष थी। विवाह के बा मनु का नाम रानी लक्ष्मीबा हो गया। पुत्र की मृत्यु का सहन न करने से गंगाधर राव का नि हो गया।
गंगाधर राव की मृत्यु	गंगाधर राव पहले से ही बीमार रहते थे। पुत्र की मृत्यु का दुख सहन नहीं कर पाए और कुछ समय पश्चात उनका भी देहान्त हो गया। गंगाधर राव बड़े ही साहसी और वीर पुरुष थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर लिख रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से इंकार	उन दिनो भारत पर अंग्रेजो का अधिकार था। वे धीरे - धीरे भारतीय रियासतों को अपने राज्य से मिला रहे थे। उन्होंने दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से इन्कार कर दिया। वे झाँसी को हड़पना चाहते थे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन कर अपनी उत्तरपुस्तिका मे लिख रहे है।	अंग्रज़ो ने दामोदर राव को झांसी का उत्तराधिकारी बनाने से इंकार कर दिया।
1857 का स्वतन्त्रता संग्राम	झाँसी की रानी ने अंग्रेजो के विरुद्ध तलवार उठा ली। रानी लक्ष्मीबाई ने महिलाओं की एक सेना तैयार की, 1857 मे भारत के कई राजाओं ने अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। और यह विद्रोह अंग्रेजों और भारतीयों के बीच हुआ। यह लड़ाई स्वतंत्रता-संग्राम की लड़ाई के नाम से प्रसिद्ध है।	छात्र झाँसी की रानी की कविता की व्याख्या ध्यानपूर्वक सुनकर लिख रहे हैं। छात्रो का ध्यान पूर्ण रूप से एकागृ चित्त है।	1857 का स्वतंत्रता संग्राम यह लड़ाई स्वतन्त्रता संग्राम के नाम से प्रसिद्ध है।

मूल्यांकन

1) रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का क्या नाम था?
2) बचपन में मनु की अभिलाषा क्या थी?
3) मनु का विवाह किसके साथ हुआ?
4) राव गंगाधर राव की मृत्यु किस कारण हुई?

गृहकार्य

प्र०-1. रानी लक्ष्मीबाई का जीवन परिचय लिखो।

प्र०-2. रानी लक्ष्मीबाई के पुत्र का क्या नाम था?

सन्दर्भ पुस्तिका :→

यह उपविषय N.C.E.R.T द्वारा प्रकाशित हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक कक्षा - 6 से लिया गया है।

दैनिक पाठ-योजना :-5

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927 | कक्षा - छठीं

विषय - हिन्दी | समय - 30 मिनट

उपविषय - समास और उसके भेद | दिनांक - 28.11.2014

विषयवस्तु विश्लेषण :→
* समास से अभिप्राय
* समास के भेद एवं उदाहरण

सामान्य उद्देश्य :⇒

(i) छात्रों की मानसिक एवम् रचनात्मक योग्यताओं का विकास।
(ii) छात्रों की हिन्दी विषय रूचि उत्पन्न करना।
(iii) छात्रों को उनके वातावरण के साथ समायोजन करने योग्य बनाना।
(iv) छात्रों मे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास करना।
(v) छात्रों मे परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न करना।
(vi) छात्रों मे अच्छी आदतें और सही दृष्टि को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य :→

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी समास के विषय की जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी समास का प्रत्यास्मरण कर सकेंगें।

अवबोधात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी समास के विषय की व्याख्या कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी समास के उदाहरण दे सकेंगें।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी समास से संबंधित विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन मे प्रयोग कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी समास से प्राप्त ज्ञान को उच्च शिक्षा मे प्रयोग कर सकेंगें।

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) विद्यार्थी समास के साधनो की सूची (तालिका) बना सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी समास के विषय पर चार्ट बना सकेंगे।

सहायक सामग्री :→

चॉक, झाड़न, लपेट फलक, संकेतक तथा चार्ट।

पूर्वज्ञान :→ विद्यार्थी समास व भेदों के बारे मे पूर्वज्ञान रखते है।

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) हमारी सबसे पुरानी भाषा कौन सी है?	1) सँस्कृत।
2) सँस्कृत भाषा की लिपि क्या है?	2) देवनागरी।
3) भाषा मे शुद्धता कैसे आती है?	3) व्याकरण से।
4) व्याकरण मे हम क्या-2 पढ़ते है?	4) सञ्ज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, समास, सन्धि।
5) समास के बारे मे आप क्या जानते है?	5) समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन :→ अच्छा बच्चो! आज हम 'समास' के विषय में विस्तृत रूप से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
समास का अर्थ	संक्षेप ⇒ कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ प्रकट करना।	छात्र समास के अर्थ एवम् परिभाषा को ध्यानपूर्वक सुनकर लिखते हैं।	समास का अर्थ
समास की परिभाषा	अनेक शब्दों से मिलकर जब एक पद बनता है। तो वह समास कहलाता है।		समास की परिभाषा
समस्त पद	समास करने पर जो नया शब्द बनता है। उसे समस्त पद कहते हैं।		समास का समस्त पद
समस्त विग्रह	जब समस्त पद को तोड़कर फिर से लिखा जाता है तो उसे समास का समस्त विग्रह कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिख रहे हैं।	व समस्त विग्रह
समास के भेद	समास के छः भेद होते हैं ⇒ i) अव्ययीभाव समास। ii) तत्पुरूष समास।		भेद :→ समास के छः भेद होते हैं।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	(iii) कर्मधारय समास । (iv) द्विगु समास । (v) द्वंद्व समास । (vi) बहुव्रीहि समास ।	छात्र समास के भेदों को ध्यान-पूर्वक लिख रहे हैं।	
अव्ययीभाव समास	जिस समास में पहला पद प्रधान हो या उसमें शब्दों की पुनरुक्ति हो, उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं।		अव्ययीभाव की परिभाषा:-> उदाहरण:- यथाशक्ति ↓ शक्ति के अनुसार
उदाहरण:	यथाशक्ति → शक्ति के अनुसार	छात्र अव्ययी भाव समास के और तत्पुरुष समास के उदाहरण लिख रहे हैं।	
तत्पुरुष समास	जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।		तत्पुरुष समास:-> उदाहरण:- राजा का भवन ↓ राजभवन
उदाहरण:	राजा का भवन ⇒ राजभवन		
तत्पुरुष समास के भेद	तत्पुरुष समास के भेद:⇒ 1) कर्म 2) करण 3) सम्प्रदान 4) अपादान 5) संबंध 6) अधिकरण	छात्र भेदों को ध्यान-पूर्वक सुनकर लिखते हैं।	भेद:- तत्पुरुष समास के छः भेद होते हैं।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
कर्मधारय समास	जिस समस्त पद मे पहला पद विशेषण और दूसरा विशेष्य हो, या पहला उपमेय और दूसरा उपमान हो, उसे कर्म धारय समाष कहते है।	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे है।	कर्मधारय समास :→ उदाहरण :- नीलकमल - नीला है जो गगन
उदाहरण :	नीलगगन → नीला है जो गगन।		
द्विगु समास	जिस समास मे पहला पद सख्यां वाची हो और समस्त पद समूह का बोध कराता हो, वह द्विगु समास कहलाता है।	छात्र द्विगु समास की परि-भाषा एवं उदाहरण ध्यान-पूर्वक सुनकर लिख रहे है।	द्विगु समास उदाहरण :- चौमासा - चार मासों का समूह
उदाहरण :-	चौमासा → चार मासो का समूह		
द्वंद्व समास	जिस समास मे दोनो पद प्रधान हो तथा विग्रह करने पर और या अथवा लगता हो, उसे द्वंद्व समास कहते है।		द्वंद्व समास :→ उदाहरण :- राधा-कृष्ण - राधा और कृष्ण
उदाहरण :	राधा-कृष्ण → राधा और कृष्ण		
बहुब्रीहि समास	जिस पद मे दोनो पद समान हो, उसे बहुब्रीहि समास कहते है।		बहुब्रीहि समास का अर्थ

मूल्यॉकन

1) समास किसे कहते है?
2) चौमासा किस समास का उदाहरण बताओ
3) राधा-कृष्ण का विगृह करते हुए समास का नाम बताओ
4) कर्मधारय समास का उदाहरण दो।

गृहकार्य

प्र०-1. समास का क्या अर्थ है?

प्र०-2. अव्ययीभाव समास किसे कहते हैं? उदाहरण बताओ

प्र०-3. द्विगु समास की परिभाषा लिखो।

प्र०-4. समास विग्रह करो- नीलकमल।

सन्दर्भ पुस्तिका :→

यह उपविषय N.C.E.R.T. की हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक कक्षा-6 से लिया गया है।

28/11/1

Real Teaching Lesson

पाठ योजना - 1

छात्राध्यापिका अनुक्रमांक - 1927 | कक्षा - प्रथम
विषय - हिन्दी (निबन्ध) | कालांश - 4
उपविषय - पर्यावरण प्रदूषण | समय - 30 मिनट
दिनांक - 1-12-2014

विषय-वस्तु विश्लेषण :→
* पर्यावरण का अर्थ
* पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार
* पर्यावरण प्रदूषण का निर्माण

सामान्य उद्देश्य :→

(i) छात्रों की मानसिक एवं रचनात्मक योग्यताओं का विकास करना।
(ii) छात्रों की हिन्दी विषय में रूचि उत्पन्न करना।
(iii) छात्रों को उनके वातावरण के साथ समायोजन करने योग्य बनाना।
(iv) छात्रों में परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न करना।
(v) छात्रों में राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय भावना का विकास करना।
(vi) छात्रों में अच्छी आदतें और सही दृष्टि को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।
(ii) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण का प्रत्यास्मरण कर सकेंगें।

(2) अवबोधात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण की व्याख्या कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के उदाहरण दे सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण से संबंधित विषय के ज्ञान को दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण से प्राप्त ज्ञान का प्रयोग उच्च शिक्षा के लिए कर सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :⇒

(i) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण के साधनों की सूची (तालिका) बना सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी पर्यावरण-प्रदूषण के विषय पर चार्ट बना सकेंगे।

सहायक सामग्री :⇒ चॉक, झाड़न, लपेट फलक, संकेतक तथा चार्ट।

पूर्वज्ञान :⇒ विद्यार्थी 'पर्यावरण-प्रदूषण' के विषय में पूर्व ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1) हमे जीवित रहने के लिए किन किन - किन चीजों की अवश्यकता पड़ती है।	1) भोजन, पानी, वायु
2) ये चीजे हमें कहाँ से प्राप्त होती है?	2) पर्यावरण से।
3) हमारा पर्यावरण किस प्रकार दूषित होता है?	3) प्रदूषण से।
4) पर्यावरण प्रदूषण से आप क्या समझते है?	4) समस्थात्मक।

उद्देश्य कथन →

अच्छा बच्चो! आज हम 'पर्यावरण प्रदूषण' के विषय मे विस्तृत रूप से अध्ययन करेंगें।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामप
पर्यावरण का अर्थ	छात्राध्यापिका कथन :→ पर्यावरण का अर्थ है-हमारे चारो ओंर का वातावरण। हम अपने आस-पास के वातावरण मे जो चीज देखते है, अपने आस-पास दिखाई देने वाली वस्तुएँ, पेड़-पौधे, प्राणी व जीव-जन्तु आदि मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते है। दुर्भाग्य से आज हमारा यही पर्यावरण दूषित हो गया है। पर्यावरण मे प्रदूषण के फैलने से हमारा वातावरण प्रदूषित हो चुका है।	छात्र पर्यावरण का अर्थ ध्यान-पूर्वक सुनते है।	पर्यावि का अर्थ
पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार:-	छात्राध्यापिका कथन:→ पर्यावरण-प्रदूषण के तीन प्रकार है। मुख्यत:रूप से। ① वायुप्रदूषण, जल प्रदूषण तथा भूमि प्रदूषण।	छात्र पर्यावरण प्रदूषण के प्रकारो को	पर्यावर प्रदूषण प्रकार

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
	प्रदूषण के कुछ अन्य प्रकार भी होते है। जैसे ⇒ ध्वनिप्रदूषण।	ध्यानपूर्वक सुन रहे है।	
जल प्रदूषण	जल प्रदूषण निम्नलिखित तरह से फैलता है:⇒ कारखाने, फैक्ट्रियां आदि का अपशिष्ट पदार्थ, गंदा जल, विषैला कूड़ा, मलमूत्र आदि का नदी, समुन्द्र अथवा झील मे विसर्जन हो जाने के कारण, तालाब तथा नहरो का हर कार्य के लिए प्रयोग और इसमे गन्दे पानी का विसर्जन होने के कारण, घर का अपशिष्ट पदार्थ आदि का नदियो, झीलो, मे बहाने के कारण जल प्रदूषित होता है। जिसके कारण जल प्रदूषण फैलता है।	छात्र जल-प्रदूषण के कारण ध्यान-पूर्वक सुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका मे लिख रहे है।	जल प्रदूषण।
वायु प्रदूषण	वायु प्रदूषण के कारण:⇒ कारखानों, फैक्ट्रियो आदि से निकलने वाला धुआं, महानगरों मे चलने वाले वाहनो से	छात्र वायु-प्रदूषण	वायु प्रदूषण